हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)

(वसंत)(पाठ 1)(सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'– ध्वनि)

(कक्षा 8)

प्रश्न अभ्यास

कविता से

प्रश्न 1:

कवि को ऐसा विश्वास क्यों है कि उसका अंत अभी नहीं होगा?

उत्तर 1:

कवि के अन्दर जीने का उत्साह है। इसलिए वह लोगों को प्रेरणा देने के साथ–साथ युवाओं को प्रेरणा देना चाहता है कि उन्हें अभी जीवन में बहुत काम करना है । इसलिए वे आलस को छोड़कर आगे बढ़ें और संसार को नई राह दिखाएं इसीलिए कवि को विश्वास है कि उसका अंत अभी नहीं होगा।

प्रश्न 2:

फूलों को अनंत तक विकसित करने के लिए कवि कौन–कौन–सा प्रयास करता है?

उत्तर 2:

फूलों को अनंत तक विकसित करने के लिए कवि कलियों को फूल बनने तक और उसके बाद महकने के लिए अपने हाथों से स्पर्श करके उन्हें सहारा देता है । इस प्रकार वह युवा पीढ़ी को भी आगे बढ़ने और संसार में अपनी खुशबू फैलाने की प्रेरणा देता है।

प्रश्न 3:

कवि पुष्पों की तंद्रा और आलस्य दूर हटाने के लिए क्या करना चाहता है?

उत्तर 3:

कवि पुष्पों की तंद्रा और आलस्य दूर करने के लिए उन पर अपने हाथ धीरे से फेरना चाहता है। यहॉ पर पुष्प आलस में सोए नवयुवकों के लिए प्रयोग किया गया है । उन्हें कवि जोश के साथ आगे बढने की प्रेरणा दे रहा है।

कविता से आगे

प्रश्न 1:

वसंत को श्रृतुराज क्यों कहा जाता है? आपस में चर्चा कीजिए।

उत्तर 1:

वसंत को श्रृतुराज इसलिए कहा जाता है क्योंकि उस समय पूरी धरती फूलों से ढंकी हुई होती है। चारों तरफ हरियाली छाई रहती है, और पूरी प्रकृति दुल्हन सी सजी दिखाई देती है।

प्रश्न 2:
वसंत श्रृतु में आने वाले त्योहारों के विषय में जानकारी एकत्रित कीजिए और किसी एक त्योहार पर निबंध लिखिए।

उत्तर 2:
वसंत श्रृतु में वसंत पंचमी के दिन ज्ञान की देवी सरस्वती की पूजा की जाती है ।इस दिन पीले चावल या किसी भी पीली मिठाई का भोग मॉ सरस्वती को लगाया जाता है । पंजाब में नई फसल आने की खुशी में में बैसाखी मनाई जाती है । और होली को रंगों का त्योहार भी इसी श्रृतु के अंत में आता है जो आपसी भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक है।

प्रश्न 3:
श्रृतु परिवर्तन का जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है । इस कथन की पुष्टि आप किन–किन बातों से कर सकते हैं? लिखिए।

उत्तर 3:
श्रृतु परिवर्तन का जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है । जैसे गर्मी के जाते ही जाड़े आ जाते हैं और हमारे भारीर पर गर्म कपड़े बढने लगते हैं । जो अपने आपको बहुत होि ायार समझते हैं मौसम उन्हें अपना रंग दिखा कर अपनी ताकत भी दिखा देता है । जाड़ो के जाते–जाते भारीर पर धीरे–धीरे गर्म कपड़े कम होने लगते हैं।